गीडा में 335 करोड़ के निवेश का मार्ग प्रशस्त

प्रशासन से गैलेण्ट इस्पात का करार

संवाददाता, गोरखपुर : गीडा में 335 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाले गैलेन्ट इस्पात लिमिटेड प्रबंधन और गीडा प्रशासन द्वारा इंडस्ट्रीयल काम्पलेक्स के लिए उपलब्ध करायी गयी 117 एकड़ भूमि के सहमति पत्र पर शनिवार को हस्ताक्षर किया गया। इसके साथ ही इतने बड़े निवेश का मार्ग प्रशस्त हो गया। सहमति पत्र पर गीडा प्रशासन की ओर से सी.ई.ओ. व जिलाधिकारी डा. हरिओम और गैलेन्ट की ओर से प्रबंध निदेशक चंद्र प्रकाश अग्रवाल ने हस्ताक्षर किये।

14 को 335 करोड़ की लागत वाले इंडस्ट्रियल काप्लेक्स की आधारशिला रखेंगे मुख्यमंत्री

इस क्रम में कलेक्ट्रेट में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में डा. हरिओम व श्री अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार के सहयोग से 14 नवम्बर को यहां औद्योगिक विकास की नयी शुरुआत होने जा रही है। इस दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव गैलेन्ट ग्रुप आफ इण्डस्ट्रीज के उद्यम गैलेन्ट इस्पात लिमिटेड के इण्डस्ट्रीयल काम्प्लेक्स की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने अपनी नयी औद्योगिक नीति के तहत प्रथम उद्योग स्थापना हेतु गैलेन्ट ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस उद्योग के स्थापित होने से गोरखपुर के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों में भी औद्योगिक विकास की मुहिम को बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश विकास परिषद के अध्यक्ष अमर सिंह करेंगे। श्री अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री पं. हरिशंकर तिवारी, कृषि राज्य मंत्री जय प्रकाश यादव, लोक निर्माण राज्य मंत्री अरविन्द सिंह गोप, सांसद मोहन सिंह, औद्योगिक विकास आयुक्त अतुल कुमार ■ शेष पृष्ठ 2 पर

प्रथम पृष्ठ के शेष

गीडा में 335 करोड़ के निवेश का मार्ग ...

गुमा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अनिल कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि गैलेन्ट इस्पात द्वारा स्थापित होने वाले इंडस्ट्रीयल कांप्लेक्स की प्रथम इकाई में आयरन ओर फाइन्स से पिलेट्स का निर्माण होगा जबकि दूसरी इकाई में इस पिलेट से स्पंज आयरन का निर्माण किया जाएगा। कांप्लेक्स की तीसरी इकाई में स्पंज आयरन से स्टील विलेट का निर्माण होगा तथा चौथी इकाई में स्टील विलेट से टीएमटी सरिया का निर्माण किया जाएगा। इस प्रकार एक इकाई में निर्मित उत्पाद दूसरी इकाई के लिए कच्चा माल होगा। स्पंज आयरन निर्माण की प्रक्रिया में उपलब्ध वेस्ट हीट से खुद के उपयोग के लिए विद्युत उत्पादन का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब तक छोटी इकाईयों में आयरन ओर से पिलेट्स के निर्माण की तकनीक न होने के कारण भारत में आयरन ओर फाइन्स का निर्यात विदेशों को होता था जहां पिलेट्स का उत्पादन किया जाता था। अब विदेशों से तकनीक प्राप्त करके आयरन ओर से पिलेट्स का निर्माण भारत के विभिन्न राज्यों में हो रहा है। हमारी प्रस्तावित इकाई में इस तकनीक का उपयोग आयरन ओर से पिलेट्स के निर्माण हेतु किया जाएगा। गोरखपुर के गीडा क्षेत्र में स्थापित होने वाली इस प्रकार की यह इकाई उत्तर भारत की पहली इकाई है। इस परियोजना के प्रथम चरण में 220 करोड़ की लागत से इंटीग्रेटेड स्टील यूनिट व कैप्टिव पावर प्लांट और फ्लोर मिल तथा दूसरे चरण में 115 करोड़ रुपए की लागत से स्पिनिंग मिल तथा शेष कैप्टिव पावर प्लांट की स्थापना की जाएगी। इस प्रस्तावित इकाई में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 15 सौ लोगों को रोजगार के अवसर सुलभ होंगे। इकाई में उत्पादन का कार्य 18 माह में प्रारंभ हो जाएगा। इस इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता प्रथम चरण में डेढ़ लाख टन टीएमटी सरिया तथा 11 मेगावाट विद्युत उत्पादन की है। उन्होंने बताया कि गैलेन्ट ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज की वर्तमान में गोरखपुर, बस्ती व महराजगंज में दो लाख टन क्षमता की फ्लोर मिलें संचालित की जा रही हैं। फ्लोर मिल के अलावा गोरखपुर में 52000 मीट्रिक टन क्षमता की फर्नेस व रोलिंग मिल इकाई भी है जहां सरिया का उत्पादन किया जाता है।

नवनिर्मित राजघाट पुल के लोकार्पण की भी तैयारी

गोरखपुर : जिलाधिकारी डा.हरिओम ने बताया कि गीडा में स्थापित टेक्सटाइल पार्क के शिलान्यास और राजघाट पर नवनिर्मित पुल का भी लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा कराये जाने की तैयारी चल रही है।

सहमति पत्र का आदान-प्रदान करते जिलाधिकारी डा. हरिओम और गैलेन्ट के प्रबंध निदेशक चन्द्र प्रकाश अग्रवाल। जागरण